खीर बना भी दी तो लोहे को चबाएगा कौन?"

लोहार को झटका-सा लगा और सिर पकड़कर बैठ गया और बड़बड़ाया, "मुझ-सा मूर्ख भी भला होगा कोई दुनिया में। सोना और लोहा तो मौसेरे भाई हैं। दोनों ही दाँतों से नहीं चबाए जा सकते, यह छोटी-सी बात मेरी समझ में न आई।" लेकिन कुछ ही देर में हिम्मत जुटाकर उठ खड़ा हुआ और सीना तान कर बोला, "अब मेरी बारी है। देखना लोहे की तरह पीट-पीटकर इस चालबाज़ औरत से अपना सोना न निकलवा लिया तो मैं भी लोहार नहीं।" इतने में युवती का पति आ गया। भेद खुल जाने के डर से युवती काँपने लगी। उसे देखते ही लोहार बोला, "साहब आपकी पत्नी ने मुझे लूट लिया और मैं मूर्ख, जीभ का गुलाम इसकी बातों में आ गया। इससे कहिए मेरे सोने के ज़ेवर वापस कर दे।"

सारी बात जानने के बाद वह अपनी पत्नी की करतूत[4] पर शर्मिंदा हो उठा। युवती समझ गई कि उसका पति ज्वालामुखी की तरह किसी भी समय फट सकता है। उससे अपना बचाव करने के लिए वह भागी हुई कमरे में गई और आकर पति के हाथों में सोने के सारे ज़ेवर थमा दिए। पति लोहार को गहने लौटाते हुए बोला, "भाई, आगे से ज़रा सावधान रहना। इस दुनिया में तो उल्लू बनाने वाले बहुत से मिल जाएँगे।"

शब्दार्थ : 4. कोई बुरा काम या हरकत (trickery)

(ख) लोहार अत्यधिक प्रसन्न सोना मिल जाने के कारण था। वह युवती के पास कढ़ी बनवाने के लिए गया था।

पाठ-बोध

अब तक क्या सीखा (Learning and Writing Skill)

1. मौखिक

(क) लोहार क्या काम करता था? चाकू - छुरी और दराँती पर धार लगाने का काम

(ख) युवती ने लोहार को खाने में क्या परोसा? रोटी और कढ़ी परोसी।

(ग) लोहार को भोजन कैसा लगा? बड़ा जायकेदार लगा।

(घ) युवती लोहार के दिए हुए गहनों का क्या करती थी? तिजोरी में रख देती थी।

(ङ) आस-पड़ोस के लोग लोहार पर क्यों हँस रहे थे? की मूर्खता पर हँस रहे थे।

(च) युवती के पति ने लोहार को कौन-सी सलाह दी? आगे से उल्लू बनाने वालों से सावधान रहने

2. लिखित

(क) लोहार ने युवती से मज़दूरी के अतिरिक्त और क्या माँगा? (जितनी छुरी-चाकू पर धार लगवाने के बराबर की रोटियाँ और कटोरी भर सब्जी माँगी)

(ख) लोहार अत्याधिक क्यों प्रसन्न था और वह युवती के पास क्यों गया?

(ग) लोहार युवती पर किसलिए क्रोधित हो रहा था और उसने क्रोध में आकर युवती से क्या कहा?

(घ) देहाती ने लोहार का मज़ाक उड़ाते हुए क्या कहा? कहा कि वह उसे लोहे की खीर खिलायेगा

(ङ) किसने, किससे कहा और क्यों-

(i) "इसका नाम कढ़ी है।" युवती ने लोहार से सब्जी के बारे में पूछने पर

(ii) "ओह! सोना बहुत लगता है क्या?" लोहार ने युवती से पकौड़ी बनाने के लिए सोना खत्म होने पर।

(ग) युवती के कढ़ी ना बनाने पर लोहार क्रोधित हो गया और उसने युवती से कहा कि वह और उसका परिवार उसके सोने से बनी कढ़ी खाते हैं, एक दिन वह अपने सोने से कढ़ी नहीं बना सकती थी।

(iii) "अभी तक तुमने सोने की कढ़ी खाई है, मैं तुम्हें लोहे की खीर खिलाऊँगा... कढ़ी से भी ज़्यादा ज़ाएकेदार।" देहाती ने लोहार से उसका मज़ाक उड़ाने पर

(iv) "भाई आगे से ज़रा सावधान रहना।" युवती के पति ने लोहार से उसे सोना वापस करने पर

3. वाक्यों को पढ़ो और हाँ या नहीं लिखो-

(क) युवती ने लोहार को रोटियों के साथ खीर खाने को दी थी। नहीं

(ख) लोहार को कढ़ी का स्वाद बहुत तीखा और खराब लगा। नहीं

(ग) युवती लोहार को मूर्ख बनाने में सफ़लता प्राप्त करती जा रही थी। हाँ

(घ) युवती के पति ने लोहार को उसके सोने के ज़ेवर लौटा दिए थे। हाँ

(ङ) आस-पड़ोस के लोग लोहार की मूर्खता पर रो रहे थे। नहीं

• Oral and written expression • Who said to whom • Yes or No • Description • Explanation

भाषा-ज्ञानी बनो (Language Skill)

1. पढ़ो और समझो-

भाषा की सबसे छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े न हो सकें, वर्ण कहलाती है। वर्णों के निश्चित और क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्णों के दो भेद होते हैं- स्वर तथा व्यंजन

- जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है, स्वर कहलाते हैं।
- जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है, व्यंजन कहलाते हैं।

स्वर के भेद

उच्चारण में लगने वाले समय के आधार पर स्वर के तीन भेद होते हैं-

(i) **ह्रस्व स्वर:** जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।
इनकी संख्या 4 है- अ, इ, उ, ऋ

(ii) **दीर्घ स्वर:** जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से लगभग दो गुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। इनकी सख्या 7 है- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

(iii) **प्लुत स्वर:** जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से लगभग तीन गुना समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं।
जैसे- ओऽम। इसका प्रयोग किसी को पुकारने के लिए किया जाता है।

व्यंजन के भेद

व्यंजन के तीन भेद होते हैं-

(i) **स्पर्श व्यंजन:** जिन व्यंजनों के उच्चारण के समय श्वास, वायु और जीभ मुख के अलग-अलग स्थानों को स्पर्श करती है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 25 है- 'क्' से लेकर 'म्' तक सभी व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं।

(ii) **अंतस्थ व्यंजन:** इन व्यंजनों का उच्चारण स्वरों और व्यंजनों के बीच में होता है। इनके उच्चारण के समय जीभ मुख के किसी भाग को पूरी तरह स्पर्श नहीं करती है। इनकी संख्या 4 है- य, र, ल, व।

(iii) **स्पर्श व्यंजन:** जिन व्यंजनों के उच्चारण के समय वायु मुख में रगड़ खाकर ऊष्मा उत्पन्न करती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 4 है- श, ष, स, ह।

दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद करो-

मनोज	म + अ + न + ओ + ज + अ
भारत	भ + अ + र + अ + त + अ
तितली	त + इ + त + अ + ल + ई
वर्तिका	व + अ + र + त + इ + क + अ
रावण	र + अ + व + अ + ण + अ

2. दिए गए शब्दों के समानार्थक शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखो-

औरत	युवती	समाप्त	खत्म
स्वादिष्ट	जायकेदार	प्रसन्न	खुश
वक्त	समय	ज़ेवर	गहना
पति		साहस	हिम्मत

3. नीचे दिए गए शब्दों का लिंग परिवर्तन करो-

चंचल		चंचला	पोता	-	पोती
महोदय		महोदया	भागवान	-	भगवती
दुष्ट	-	दुष्टा	अनुज	-	अनुजा
शिष्य	-	शिष्या	कुमार	-	कुमारी

4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ उनके सामने लिखो-

(i)	अक्ल का दुश्मन	-	महामूर्ख
(ii)	एक और एक ग्यारह	-	एकता में बल होता है।
(iii)	गाल बजाना	-	व्यर्थ की हाँकना
(iv)	उल्लू बनाना	-	मूर्ख सिद्ध होना
(v)	ईद का चाँद होना	-	दुर्लभ होना
(vi)	अगर-मगर करना	-	बहाने बनाना

5. दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्दों की रचना करो-

(i) प्र - प्रसन्न प्रयान

(ii) सम् - सम्मान सम्पर्क

(iii) अव - अवमानन अवसर

(iv) अनु - अनुराग अनुकरण

(v) परा - पराधीन परास्नातक

• Phonology • Synonyms • Gender • Idioms • Prefixes • M.I.- Linguistic